कोई मेरी अमरावती को बचाओ रे...

त्राहि-त्राहि कर रही जनता की पुकार, सोच रहे 'हमसे का भूल हुई'

अमरावती,प्रतिनिधि, 18 अक्तूबर - संभागीय मुख्यालय नगरी अमरावती अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है. विगत कुछ दिनों से अमरावतीवासी इस सोच में पड़े हैं कि हमारी खता क्या है, यह सजा किसलिए मिल रही है, हम से का भूल हुई... अमरावती नगरी में डेंगू, स्वाइन फ्लू, टुटही सड़कें-गड्ढों की भरमार, लोडशेडिंग, पानी की किल्लत, आवारा सुअर, कुत्ते, मवेशियों का आतंक... मंदी की मार पूरी दुनिया में है मगर अमरावती में इसका एहसास सर्वाधिक है. किसान आत्महत्या बहुतआयात में यहां हो रही है. जनता मन ही मन व्याकुल हो रही है कि उनकी क्या खता हुई है. कहीं ये तो खता नहीं भाजपा को राज्य व केंद्र की सत्ता तथा महापालिका की कमान सौंपी. जनता का सपना सुशासन लाने का था. जनता ने सत्ताधारियों को कितना पावर दे दिया कि उन्हें कोई विरोध करनेवाला न रहे. क्या जनता की यही खता है. जनता को क्या चाहिए, इससे सत्ताधारियों को कोई सरोकार नहीं है.

घोषित-अघोषित लोडशेडिंग की मार

इन दिनों घोषित-अघोषित लोडशेडिंग की मार झेलनी पड़ रही है. कोयला व पानी न रहने का कारण बताया गया है. बिजली न रहने से फसलों और व्यापार पर बुरा असर हुआ है. किसानों के साथ-साथ अब व्यापारियों पर भी आत्महत्या की नौबत आ गई है. कुचक्र में लोग फंस गए हैं. युति सरकार के समय भी 10 साल पीछे हम चले गए थे. कांग्रेस व एनसीपी की सरकार ने जैसे तैसे राज्य को पटरी पर लाया था. अबकी सरकार ने किए कराए पर पानी फेरा है.

सड़कों ने किया बुरा हाल

एक जमाने में अमरावती शहर में भूमिगत गटर योजना और उड़ानपुल निर्माण से हाहाकार मचा था. मगर विकास की प्रसव पीड़ा सहन करते हुए जनता ने उसे सकारात्मक लेते हुए दिक्कतें सहन की. बेशुमार गड्ढों के बावजूद सुनील देशमुख ने दुबारा चुनाव जीता. 20 साल बाद भी सड़कों की वही बदहाली फिर से देखने को मिल रही है. भूमिगत गटर योजना अधर में लटकी है. क्या जनता टैक्स अदा नहीं करती. उनकी खता क्या है. रोज दुर्घटनाएं हो रही है और लोग मर रहे हैं. लोग इमानदारी से टैक्स नहीं भरते, विकास शुल्क नहीं देते, एलबीटी या जीएसटी नहीं भर रहे हैं, 20 साल पुरानी अमरावती जगह-जगह टूटी-फूटी सड़कों से अपनी पहचान खोती जा रही है. मनपा की तिजोरी में 134 करोड़ रुपए आकर पड़े हैं. मगर काम एक धेले का भी नहीं हो रहा है.

स्वास्थ्य सेवा अपाहिज

स्वास्थ्य सेवा तो पूरी तरह अपाहिज है. मराठी में कहावत है 'लाज सोडली तर जगणं फार सोपं आहे.' शासन-प्रशासन पूरी तरह फेल हो चुका है. नौसिखिए पूरी तरह फेल हैं और ऐसा लगता है इन्हें फेल करने की साजिश रची जा रही है. नालियां चोकअप हो गयी है. जगह-जगह कचरे के ढेर चिढ़ा रहे हैं. सुअरें का मुक्त संचार, मच्छरों की भरमार, डेंगू-स्वाइन फ्लू बेशुमार, वायरल फीवर बेहिसाब, पीलिया जैसी बीमारियां घर-घर फैल चुकी है. नए पार्षदों को कोई अनुभव नहीं है. भाजपा के पास 45 से अधिक पार्षदों का समर्थन है. मगर अनुभवहीनों की संख्या अधिक है. मोर्चे, नाराजगी, गुस्सा, ठीकरे फोड़े जा रहे हैं. दूसरी ओर मनपा प्रशासन व स्टैंडिंग कमेटी एकल ठेके का बेहूदा अट्टहास कर रही है. अपने ही पार्षदों को फेल साबित करने पर तुली है.

पेयजल को लेकर ता ता थैया

सबसे बड़े अपर वर्धा डैम को लेकर अमरावतीवासी इतराते फिरते थे कि 50 वर्षों तक जलसमस्या नहीं हुई. मगर इन दिनों पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है. पिछले कुछ वर्षों से केवल इस मौसम में कम बारिश हुई. वैसे भी अपर वर्धा में सौभाग्य से लबालब पानी है. इंडिया बुल बंद पड़ा है. वैसे भी यह पूरा कभी भी शुरू नहीं हुआ. अमरावतीवासियों का पेयजल कोटा बचा है, औद्योगिक आरक्षण बचा है. सिंचाई के लिए पानी न मिलने से यह पानी भी बचा है. फिर ऐसा क्या हुआ कि 50 प्रतिशत पानी की कटौती करनी पड़ी. आज भी एक दिन की आड़ में पानी आ रहा है और मनपा के अधीनस्थ मजीप्रा टाइम बे टाइम पानी छोड़ रही है.

अंधेर नगरी चौपट राजा

शोकांतिका यह है कि चारों तरफ भाजपा का एकछत्र राज है. मगर शहर व जिले में सर्वमान्य नेतृत्व नहीं है. दुख की बात यह है कि कोई छाती ठोंक के जिम्मेदारी नहीं ले रहा है. यहां एक भाजपा का विधायक, एक भाजपा से ताल्लुक रखता विधायक, एक अदद पालकमंत्री है मगर तीनों की भूमिका परस्पर विरोधी है. एकल ठेका, पानी कटौती, लोडशेडिंग, स्वाइन फ्लू, डेंगू जैसी बीमारियों की समस्या उफान पर है. भाजपा तीन ग्रुपों में बंट कर रह गयी है. आपसी झगड़े व रंजिशों में शहर का सत्यानाश किया जा रहा है. पालकमंत्री फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं. कोई एक अधिकृत नेतृत्व भाजपा में दिखायी नहीं पड़ रहा है. कांग्रेस सरकार में सुनील देशमुख जब पालकमंत्री थे तब उनकी प्रशासन व जिला व शहर में पकड़ थी.

61 वां धम्मचक्र प्रवर्तन दिन

अमरावती-धम्म प्रचार समिति व राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा की ओर से 61 वां धम्मचक्र प्रवर्तन दिन, धम्मक्रांति सम्मेलन का आयोजन कर मनाया. धम्मप्रचारक त्र्यंबकराव ढोके की अध्यक्षता में तथा प्रा. प्रफुल्ल कडू, सुधाकर वेरुलकर, मुरलीधर गावंडे व प्रमुख वक्ता आचार्य स्वामी ध्यान संदेश की उपस्थिति में संपन्न हुआ.

विदर्भ के लिए बिजली के दर आधे करें

अमरावती- पर्याप्त बिजली का निर्माण करने वाले विदर्भ के लिए बिजली के दाम आधे करने की मांग विदर्भ राज्य आंदोलन समिति के अभियान में की गई है. इस संदर्भ में समिति जनजागृति करेगी, यह बात समिति के कोअर बैठक में कही गई है.हाल ही में 15 अक्टूबर को विदर्भराज आंदोलन समिति की कोअर बैठक राजीव आंडे (अध्यक्ष, म. फुले को-ऑप. बैंक, अम., ज्येष्ठ कोअर कमिटी सदस्य) की अध्यक्षता में हुई बैठक में कोअर कमिटी के सदस्यों को बढ़ाने के बारे में चर्चा की गई. साथ ही पर्याप्त बिजली निर्माण करने वाले विदर्भ के लिए बिजली के दाम आधे कैसे हो सकते हैं, जीरो लोडशेडिंग कैसे हो सकती है, फुल टाइम पूर्ण प्रेशर में बिजली व विदर्भ के 4 लाख किसानों को कृषि पंप का तुरंत कनेक्शन कैसे मिल सकता है व उससे होने वाले लाभ की जानकारी समझाने का कार्य प्रमुखता से होना चाहिए, इसके बारे में बैठक में विशेष जोर दिया गया व कहा गया कि उसके लिए जनजागृति अभियान चलाकर अमरावती शहर में को ऑर्डर मीटिंग का आयोजन कर विदर्भ राज्य आंदोलन समिति की शाखाएं भी खोलनी चाहिए. साथ ही प्रत्येक गांव स्तर तक मंडी के स्थानों व तहसील के स्थानों पर किसानों को भी जानकारी दी जाए, इस मसले पर विशेष

जोर दिया गया. इस बैठक में राजेंद्र आगरकर, नंदू खेरडे (जिलाध्यक्ष), रियाज खान (शहर अध्यक्ष), मामर्डे (शहर अध्यक्षा), ताराबाई बारस्कर (जिलाध्यक्ष ग्रामीण) दिलीप भोयर (वि.रा.आ.स. सदस्य), सतीश प्रेमलवार (उपाध्यक्ष), उज्जवला पांडे (उपाध्यक्षा), कृष्णराव पाटिल, वीरा पवार, डॉ. विजय कुबड़े, अमोल भिसेकर (युवा आघाड़ी अध्यक्ष), डॉ.

विदर्भ राज्य आंदोलन समिति करेगी जनजागृति

महेश बलान्से, डॉ. रामेश्वर गजभिये, रजनी कडू, डी.बी. गुल्हाने, राजेश डोरलीकर, साहेबराव इंगले आदि उपस्थित थे. बैठक के बाद हमारा राज्य विदर्भ राज्य, विदर्भ राज्य आंदोलन समिति की टक्कर में, महापारेषण कंपनी पड़ गई चक्कर में आदि नारे देकर बैठक का समापन किया गया.

अमरावती : विर्वाचित सदस्यों के साथ विधायक रवि राणा.

12 ग्रापं पर युवा स्वाभिमान का झंडा

विधायक रवि राणा ने नये सरपंचों, सदस्यों को दी शुभकामनाएं

प्रतिनिधि, 18 अक्टूबर

अमरावती- बडनेरा निर्वाचन क्षेत्र में अपने विकास कार्य से लोगों में सुविख्यात जनविकास के कार्यों को प्राथमिकता देने वाले विधायक रवि राणा के युवा स्वाभिमान पक्ष ने अमरावती जिले में 2017 के ग्रापं चुनाव में 12 ग्राम पंचायतों में विजय प्राप्त कर अपना झंडा फहराया है. चुनाव के विजयी शिल्पकारों में बडनेरा निर्वाचन क्षेत्र की कुमागड़-चेचरवाड़ी ग्रापं में बतौर सरपंच सुनिता ना. वानखड़े, काटआमला ग्रापं में बतौर सरपंच मेघा अवधुत भटकर, कानफोड़ी ग्रापं में बतौर सरपंच शीला मधुकर रोडगे, लोणटेक ग्रापं में बतौर सरपंच सुनिल चौधरी, डेंगुरखेड़ा-हरतोटी- टाकरखेड़ा ग्रापं में बतौर सरपंच सुलोचना मंडासे, शिवणी ग्रापं में बतौर सरपंच मंगेश धोटे, परलाम ग्रापं में बतौर सरपंच मेघश्याम घोंगड़े व पार्डी ग्रापं में बतौर सरपंच चरणदास ढेंबरे व बतौर सदस्य योगिता पिसे, पिंगल, दिनेश कुलरकार, अमोल गुलचंदने, सुरेश वाकोड़े, धुमाले साथ ही तिवसा मतदार संघ के पालवाड़ी ग्रापं में बतौर सरपंच नंदकिशोर फाले, अचलपुर तहसील की असदपुर ग्रापं में सरपंच के रूप में नरेंद्र येवुतकर ने विजय प्राप्त किया है. इससे सही मायने में विधायक रवि राणा के विकास कार्यों को ना केवल बडनेरा बल्कि अन्य मतदार संघ में भी विजय के रूप में यह सफलता मिली है.

विधायक रवि राणा व नवनीत रवि राणा ने युवा स्वाभिमान पक्ष के सभी विजयी सरपंचों, सदस्यों को इस जीत के लिए शुभकामनाएं देकर अभिनंदन किया. इस दौरान जिलाध्यक्ष राजू रोडगे, उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण पाटिल, जि.प. सदस्य मयुरी आशीष कावरे, जि.प. सदस्य दिनेश टेकाम, पं.स. सदस्या रश्मि अजय घुले, पं.स. सदस्या मिनल डकरे, पं.स. सदस्या जया तेलखड़े, पं.स. सदस्य प्रदीप थोरात ने भी शुभकामनाएं देकर नये सरपंचों व सदस्यों का अभिनंदन किया है.

सज्जनगढ़ किला विजयी

महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल व शिवरौद्र प्रतिष्ठान का किला महोत्सव

प्रतिनिधि, 18 अक्तूबर

अमरावती - महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल व शिवरौद्र प्रतिष्ठान का किला महोत्सव अंतर्गत तीन दिनों से विविध वर्ग में युवाओं और बच्चों द्वारा किले बनाने की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया गया. जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के सज्जनगढ़ किले की प्रतिकृति का निर्माण करने वाले गणेश देवेंद्र, वेदांत भालेराव, राज कन्हेरकर को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

अमरावती : विजेता को पुरस्कार प्रदान करते सभापति भारतीय.

स्थानीय मालटेकड़ी पर 15 से 17 अक्टूबर के बीच किला महोत्सव का आयोजन किया गया. इस महोत्सव में विविध प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. लगातार तीन दिनों तक कड़ी मेहनत के बाद युवाओं और बच्चों ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा निर्मित किलो का निर्माण किया. इनमें से बेहतरीन कलाकृति को मंगलवार महोत्सव के अंतिम दिन सम्मानित किया गया. प्रथम पुरस्कार का सम्मान सज्जनगढ़ किले का निर्माण करने वाले गणेश देवेंद्र, वेदांत भालेराव, राज कन्हेरकर को मिला. दूसरा पुरस्कार लालकिले को मिला. जिसका निर्माण आदित्य चावरे, लकी ठाकुर, जिकेश पाटिल, राखी पाटिल ने किया था.

तृतीय पुरस्कार के हकदार जिंजी का किला बनाने वाले अंकिता हिवराले, सुहानी पाठक, गूंजन भांडे, भूमिका यादव, वैभव हिवराले, वैष्णवी उमक रहे. सभी का स्थायी समिति सभापति तुषार भारतीय, पार्षद दिनेश बूब, पूर्व विधायक संजय बंड, विधायक डॉ. अनिल बोंडे के साथ शिवरौद्र के अध्यक्ष राहुल इंगोले के हाथों स्मृतिचिन्ह व प्रमाणपत्र देकर सम्मान किया गया. इस अवसर पर ओम राऊत, रोशन फरतोड़े, स्वराज देशमुख, अथर्व काले, कृष्णा इंगोले, मोहित जवंजाल, स्वराज बांबल, सनी रबले, अभिजीत लिखितकर, अभिलाष नरोडे ने महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग दिया. महोत्सव में तीन मुख्य पुरस्कारों के अलावा शामिल खिलाड़ियों में से 10 को प्रोत्साहन पर पुरस्कार दिए गए.

'निर्जरा ही मोक्ष का कारण है'

प्रतिनिधि, 18 अक्टूबर

अमरावती- संसार सागर से पार होने के कारण मात्र एक साथ साधन है वो है संवर सहित निर्जरा करने से. अर्थात निर्जरा करने का तात्पर्य है कि शांति के अनुसार तप, संयममय साधना करना और इच्छा निरोधो तपः इच्छाओं का निरोध कर समतापूर्वक तप त्याग में लीन रहना. निर्जरा ही मोक्ष का कारण हुआ करता है. आत्मा के जिस शुद्धोपयोग रत्नत्रय परिणाम से कर्म का संवर होता है. यही परिणाम निर्जरा का भी कारण होता है. संवर पूर्वक निर्जरा ही मोक्ष मार्ग है. निर्जरा के दो भेद है. पहला सविपाक निर्जरा और दूसरी अविपाक निर्जरा. सविपाक निर्जरा का तात्पर्य है कि पूर्वबद्ध कर्म प्रदेशों का स्थितिकाल समाप्त होने पर जो उदय में आकर आत्मा से झड़ने है उनको सविपाक निर्जरा कहते है. यह उदयपूर्वक होने वाली फल देकर झड़ने वाली मोक्षमार्ग के प्रयोजन भूत नहीं. क्योंकि उदय में आकर झड़ने वाले परिणाम नविन कर्मबंध के निमित्त बनते है. इस सविपाक निर्जरा से जीव के शुभ-अशुभ परिणाम कर्मफल से तन्मय होने के कारण नवीन कर्मबंध के कारण होते है.

अविपाक निर्जरा का तात्पर्य है कि जीव के जिन शुद्ध-वीतराग परिणाम से कर्म का आश्रव-निरोधपूर्वक संवर होता है. नवीन कर्म का आश्रव बंध होना रूक जाता है. उस समय पूर्वबद्ध कर्म विपाक हीन-शक्तिहीन होकर अपनी स्थिति पूर्ण होने पर या स्थिति पूर्ण होने के पहले भी उदीरणा होकर आत्म प्रदेश से झड़ते है. उसको अविपाक निर्जरा कहते है. यह संवर पूर्वक निर्जरा मोक्षमार्ग कहलाती है.

पू. मुनीश्री सुप्रभसागरजी महाराज के वचन

आत्मा के जिस शुद्ध वीतराग परिणाम से रत्नत्रय रूप शुद्ध परिणाम से संवर होता है. उसी परिणाम से पूर्वबद्ध कर्म उदय-उदीरणा रूप से आत्म प्रदेश से विभक्त हो जाते है, उसी को अविपाक निर्जरा कहते है. इस समय जीव के परिणाम अपने स्वभाव से तन्मय होने के कारण कर्म के उदय विपाक के साथ तन्मय न होने के कारण ये परिणाम नवीन कर्मबंध का कारण न होने के कारण उनको अविपाक निर्जरा कहते है.

यह निर्जरा जीव के सम्यकदर्शन सम्यकचरित्र संयम भाव से विशेषतः तपरूप परिणाम से होती है. गुप्ति समिति धर्म अनुप्रेक्षा परीष जन और चरित्र रूप जीव के शुद्ध परिणाम से यह निर्जरा होती है.

यही निर्जरा करके जीव मोक्ष को प्रशस्त कर लेते है. निर्जरा को प्राप्त कर अपना लक्ष्य, मोक्षमार्ग वो सफल करने का पूर्ण करे.

सूचना

प्रतिदिन अखबार के पाठकों को सूचित किया जाता है कि वे इस अखबार में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों व लेखों में उल्लेखित उत्पादनों की गुणवत्ता जाँच-पड़ताल करने के बाद ही उसे खरीदने आदि के संबंध में निर्णय लें व आर्थिक व्यवहार करें. अपने उत्पाद अथवा सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, प्रतिदिन अखबार उसकी कोई गारंटी नहीं देता. कृपया नोट करें कि विज्ञापित उत्पादों में किए गए दावों की पूर्ति यदि विज्ञापनदाता (उत्पादक) अथवा संबंधित नहीं करते तो उसके परिणामों के लिए प्रतिदिन अखबार के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक व मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे - व्यवस्थापक

वायगांव में महर्षि वाल्मीकी जयंती

अमरावती- पंचायत समिति भातकुली अंतर्गत वायगांव के महर्षि वाल्मिकी योग साधना केंद्र की ओर से आद्यकवि रामायण के रचियता महर्षि वाल्मिकी की जयंती मनाई गई. उद्घाटन संस्था अध्यक्षा सुनीता डोंगरे ने किया. पश्चात एन.बी. अंबादे व योग व व्यसनमुक्ति प्रचारक अशोक डोंगरे, संस्था सचिव श्रीकृष्ण डोंगरे ने महर्षि वाल्मिकी की प्रतिमा पर हारार्पण कर पूजन किया.

नए सरपंच को 34 दिन वेटिंग

नवंबर में मिलेगा पदभार

अमरावती- सीधे जनता द्वारा निर्वाचित नए सरपंचों को पदभार लेने पूरे 34 दिन प्रतीक्षा करनी होगी. पुराने पदाधिकारियों का कार्यकाल करीब 26 नवंबर तक रहने से वे पदभार नहीं ले सकेंगे. पहली बार जनता ने सरपंच चुना है जिससे कई गांवों में चुनाव में कांटे की लड़ाई हुई. नतीजों के बाद विजय का आनंदोत्सव मनाने के बाद पदभार संभालने का वेध लगे हुए नए सरपंच व सदस्यों को अब नवंबर की प्रतीक्षा करनी होगी. 250 ग्राम पंचायतों के लिए 17 अक्टूबर को वोटों की गिनती हुई है. विजयी सदस्यों को पदभार संभालने की उत्सुकता है फिर भी पुराने सदस्यों का कार्यकाल खत्म होते ही प्रशासन पदभार सौंपेगा या पुराने सरपंच से नए सरपंच पदभार स्वीकारेंगे, इस बात की भी उत्सुकता बनी हुई है. चुनाव के नतीजों के बाद भी नए सरपंचों, सदस्यों को कुछ दिनों प्रतीक्षा करनी होगी.

दीपोत्सव में ऑनलाइन खरीदी की धूम

करो घर बैठे खरीदी, दीपावली ऑफर्स की भरमार

प्रतिनिधि, 18 अक्टूबर

अमरावती- दीपावली के लिए घर की साफ सफाई व रंगरोगन किया जाता है. आकर्षक वॉल पेपर लगाकर घर की साज सज्जा करने के साथ नये नये कपड़ों की खरीदी परिवार के सदस्यों द्वारा की जाती है. आकर्षक आकाशदीप सहित रंग-बिरंगे दीए, साज-सज्जा के लिए लाइटिंग सीरीज, लक्ष्मीजी की सुंदर मूर्ति या धार्मिक विधि की किताबें... यह सब ऑनलाइन मिल रहा हो तो... यह सच है मगर इसी ट्रेंड के चलते बाजार के अलावा ऑनलाइन खरीदी की धूम देखने को मिलती है. घर बैठे कपड़े से गहने तक ऐसी अनेक वस्तुएं खरीदने की ऑर्डर दी जा रही है. ऑनलाइन शॉपिंग पर खास ऑफर्स रहने से लोगों का रूझान ऐसे ऑफर्स की ओर बढ़ा है. इस बार विविध ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दीपावली के उपलक्ष्य में आकर्षक छूट व सहुलियत दी जा रही हैं. इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के साथ साज-सज्जा की सामग्री रहने से लोगों की रुचि ऑनलाइन शॉपिंग में बढ़ी है, जिससे लोग प्रत्यक्ष बाजार में खरीदी करने की बजाए घर बैठे वस्तुओं के ऑर्डर देकर दिवाली मना रहे हैं. ऑनलाइन वेबसाइट पर रोशनाई के लाइट, वॉल हैंगिंग,

आकाशदीप, महिला व युवतियों के लिए डिजाइनर कपड़े, गहने, फुटवेअर, सौंदर्य के साधन हैं. पुरुषो के लिए स्टाइलिस्ट कपड़ों की आकर्षक रेंज हैं. यह वस्तुएं ऑनलाइन वेबसाइट व एप्स पर भारी डिस्काउंट पर उपलब्ध है. ऑनलाइन शॉपिंग में रुझान बढ़ा है.फिर भी बाजार में जाकर खरीदी करने वालों की संख्या कम नहीं है. दीपावली खरीदी के लिए बाजार में जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है.

वस्तुओं पर आकर्षक छूट

ऑनलाइन खरीदी पर 10 से 50 प्रतिशत डिस्काऊंट देने के साथ गिफ्ट वाऊचर व एक्सचेंज ऑफर्स की धूम मची है. ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है. लाइटिंग सीरीज से लेकर रंगोली स्टिकर्स पर 10 से 50, मोबाइल-लैपटॉप व टैब पर 20 से 50 प्रतिशत सहुलियत दी जा रही है.